लगातार बारिश से बिगड़े हालात : नदी में बही बुजुर्ग महिला

कई कॉलोनियों में भरा पानी, पिछले चौबीस घंटे में 3 इंच से अधिक बारिश

नवभारत न्यूज

गुना 13 जुलाई का। जिले में सावन का महीना इस बार आफत की बारिश लेकर आया है। शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात से शुरू हुई मूसलधार बारिश रविवार शाम तक रूक-रूक कर जारी रही, जिससे शहर की अधिकांश कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति बन गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, गुना शहर में रविवार शाम तक 3 इंच से अधिक वहीं बमोरी में रविवार सुबह तक 2.8 इंच और मधुसूदनगढ़ में 2.2 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है। लगातार बारिश के कारण भगत सिंह कॉलोनी, गोविंद गार्डन, पुरानी छावनी, शिवाजी नगर रोड, नानाखेड़ी मंडी गेट, कैंट, भुल्लनपुरा और गुलाबगंज जैसे क्षेत्रों में गलियों में कई फीट तक पानी भर गया है। सबसे अधिक परेशानी पुरानी छावनी और भुल्लनपुरा क्षेत्र में देखने को मिली जहां पानी घरों तक घुस गया और लोग पानी के बीच से ही आवाजाही को मजबूर हुए। शहर के बीच से बहने वाला नाला भी उफान पर आ गया, जिससे आस-पास के क्षेत्रों में और जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई।

भुल्लनपुरा, गणेश गार्डन के पीछे बने बाढ़ के हालात

वार्ड क्रमांक 24 के भुल्लनपुरा चौराहा, गणेश गार्डन के पीछे स्थित क्षेत्र में तो हालात बाढ़ जैसे बन चुके हैं। कॉलोनी में लगातार पानी भरने और नाले की अनुपलब्धता के कारण यहां के निवासी बेहद परेशान हैं। स्थानीय नागरिकों ने कई बार नगर पालिका, सीएमओ और नगर पालिका अध्यक्ष को आवेदन दिए लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। बताया जा रहा है कि यहां करीब दो वर्ष पहले नाला निर्माण प्रस्तावित था, परंतु राजनीतिक हस्तक्षेप और रसूखदारों के दबाव में अब तक निर्माण नहीं हो सका। इस कारण हर बार बारिश में लोगों को जान-माल के खतरे का सामना करना पड़ता है। वार्डवासियों ने कलेक्टर को भी सूचना देकर तत्काल ध्यान देने की मांग की है, ताकि कोई बड़ी दुर्घटना होने से पहले ही हालात संभाले जा सकें।

जिले में 01 जून से अब तक 444.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जो कि सामान्य वर्षा का 42.2 प्रतिशत है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 304.7 औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1053.5 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून से 13 जुलाई प्रात: 8 बजे तक जिले के वर्षामापी केन्द्र गुना में 687.3 मिलीमीटर, बमौरी में 614, आरोन में 409, राघौगढ़ में 361, चांचौड़ा में 316, कुम्भराज में 361.0 तथा वर्षा मापी केन्द्र मक्सूदनगढ में 364.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

जिले में बीते 24 घंटे में 28 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि में वर्षा मापी केन्द्र गुना में 36.8 मिमी., बमोरी में 72 मिमी., आरोन में 13.0 मिमी., राघौगढ़ में 3 मिमी., चांचौड़ा में 14 मिमी., कुंभराज में 2 एवं वर्षामापी केन्द्र मक्सूदनगढ़ में 55 मिमी. वर्षा दर्ज की गई।

कई गांवों का संपर्क टूटा

इधर जिले के नदी-नालों के उफान पर आने से कई ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क भी जिला मुख्यालय से टूट गया है। बमोरी, आरोन, कुंभराज और चांचौड़ा क्षेत्रों में भी भारी बारिश हुई है जिससे ग्रामीण अंचल में जलभराव की स्थिति बन गई है। अब जबकि बारिश का सिलसिला अभी थमता नहीं दिख रहा है, नगर पालिका, पीडब्ल्यूडी और जिला प्रशासन को तत्काल प्रभाव से जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने, अवरुद्ध पुलियों को खोलने और नालों की सफाई कराने की जरूरत है। नागरिकों ने मांग की है कि संबंधित क्षेत्रों में राहत दल भेजे जाएं और स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाए जाएं, ताकि हर साल की तरह इस बार भी लोगों को जान जोखिम में डालकर पानी से लड़ना न पड़े।

पुलिया का पाइप जाम, सड़क से बहने लगा पानी

इसी तरह वार्ड 19 में कुशमोदा पुलिस चौकी के पास पुलिया का पाइप जाम होने से डामर सडक के ऊपर से पानी बहने लगा है। दो पाइपों में से एक पूरी तरह बंद हो चुका है और दूसरा आंशिक रूप से अवरुद्ध है। इससे पानी पुलिया के नीचे से न जाकर सडक के ऊपर से बह रहा है, जिससे सडक के किनारों पर कटाव शुरू हो गया है। यदि समय रहते मरम्मत नहीं की गई तो यह सडक पूरी तरह टूट सकती है। इस मार्ग से इंडस्ट्रीज एरिया के वाहन और कुशमोदा एवं बमोरी बुजुर्ग के नागरिक गुजरते हैं। यह एकमात्र संपर्क सडक है, ऐसे में इसके क्षतिग्रस्त होने से जनजीवन और औद्योगिक परिवहन बुरी तरह प्रभावित होगा।

नदी पार करते समय बुजुर्ग महिला बहकर लापता

उल्लेखनीय है कि जिले में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त होता जा रहा है। जहां एक ओर शहर की गलियों और कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश अब जानलेवा भी साबित हो रही है। रविवार को कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुशालपुर में एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला कंचनबाई अहिरवार कनेरा नदी (सिंध नदी की सहायक नदी) को पार करते समय बह गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार कंचनबाई रविवार सुबह शौच के लिए नदी पार कर रही थीं, तभी तेज बहाव में उनका संतुलन बिगड़ गया और वे पानी में बह गईं। परिजनों और ग्रामीणों को जब इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने आसपास तलाश शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में सूचना प्रशासन को दी गई, जिस पर तहसीलदार सहित प्रशासनिक अमला और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और महिला की खोजबीन शुरू की गई। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से महिलाओं को अब भी नदी पार कर खुले में शौच के लिए जाना पड़ता है। बारिश के दिनों में नदी उफान पर आ जाती है और नदी पार करना अत्यंत जोखिम भरा हो जाता है। प्रशासन को कई बार इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकला है।

एक नजर में

श्रीराम मुक्तिधाम में किया सेवा कार्य

गुना। नियमित रविवार संकल्प के अंतर्गत श्रीराम मुक्तिधाम परिसर में वर्षा के बावजूद सेवा कार्य संपन्न हुआ। इस सेवा गतिविधि में शहर की अनेक समर्पित महिलाएं शामिल हुईं, जिन्होंने अपने श्रम और समय से मुक्तिधाम को सजाने-संवारने का प्रशंसनीय कार्य किया। सेवा कार्य में बहन अलका बिंदल, नीता तिवारी, लता महेश्वरी, निशा परिहार, ज्योति सेन तथा मांढरे सर ने मिलकर श्रीराम मुक्तिधाम परिसर में मोगरा, बोगनवेलिया और मधु मालती की बेलें लगाईं। इसके अतिरिक्त परिसर में मिट्टी के ढेर की सफाई कर वातावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास किया गया। बारिश के कारण रंग-बिरंगे गमलों में भरा पानी निकाला गया और गमलों को सुरक्षित स्थान शेड के भीतर रखवाया गया। बरसात के मौसम में भी बिना रुके, पूरी निष्ठा और भावना के साथ किया गया यह कार्य न केवल अनुकरणीय है बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत भी है।

एकाग्रता, आत्म विश्वास पर ध्यान जरूरी

गुना। क्राइस्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नर्सरी, एल.के.जी. व यू.के.जी. कक्षाओं के बच्चों के माता-पिता के लिए एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षा की मूल अवधारणा, स्वच्छता के महत्व, और बच्चों के मानसिक व शारीरिक विकास पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य नन्हें बच्चों की व्यवस्थित एवं चरणबद्ध शिक्षा प्रणाली को मजबूत करना और शिक्षा के मूल उद्देश्यों को सही दिशा में आगे बढ़ाना था। इस प्रोग्राम में शिक्षिकाओं ने विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी।

महापुरुषों के चरित्र से लें प्रेरणा : निर्लोभ सागरजी

नवभारत न्यूज

गुना। जो कुछ आंखों से दिख रहा है, उत्पन्न हुआ है वह नियम से नष्ट होने वाला है। श्रावक को हमेशा दान देने रहना चाहिए। श्रावक देने से कीर्ति एवं यश को प्राप्त होता है। जब वह मुनिराज को आहार दान देता है तब उसका हाथ ऊपर रहता है और आहार लेने वाले मुनिराज, आचार्यों का हाथ नीचे रहता है। यह दान की ही महिमा है। इसके प्रभाव से वह भोग भूमि में सुख भोगता है। अत: श्रावक को अपने छह आवश्यक देव पूजा, गुरु उपासना, स्वाध्याय, संयम, तप और दान करते रहना चाहिए। उक्त धर्मोपदेश चौधरी मोहल्ला स्थित महावीर भवन में कार्तिकेनुप्रेक्षा नाम ग्रंथ की चौथी गाथा का स्वाध्याय कराते हुए निर्यापक मुनिश्री योग सागरजी महाराज के संघस्थ मुनिश्री निर्लोभ सागरजी महाराज ने दिए। मुनिश्री ने कहा कि जब भी कोई संकट या कर्मों का उदय आए तो उन बुरे समय में हमें बारह भावनाओं को बार-बार चिंतन करना चाहिए। भगवान पार्श्वनाथ, सुकोशल मुनिराज, गजकुमार मुनिराज सहित कई महापुरूषों ने मुनि अवस्था में कर्मों का उदय आने पर इन्हीं बारह भावनाओं का चिंतन करके केवल्य ज्ञान की प्राप्त की। हमारे जीवन में भी जब परेशानी आए, कर्मों का उदय हो उस समय हमें बारह भावनाओं का बार-बार चिंतन करना चाहिए।

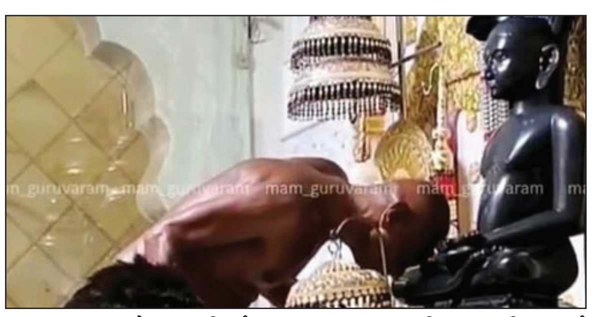

विधायक का सवाल : आखिर शिक्षकों के बच्चे सरकारी स्कूलों में क्यों नहीं पढ़ते ?

नवभारत न्यूज

गुना। अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चाओं में रहने वाले और कभी-कभी लोगों को सोचने के लिए मजबूर कर देने वाले गुना विधायक पन्नालाल शाक्य ने रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में शिक्षा व्यवस्था और कथित बुद्धिजीवी वर्ग पर निशाना साधा। दरअसल मप्र शिक्षक संघ के सम्मान समारोह में इस बार सिर्फ विदाई की रस्में और स्वागत की औपचारिकताएं नहीं रहीं, बल्कि मंच से उठे कुछ सवालों ने पूरे शिक्षा जगत और बुद्धिजीवी वर्ग को सोचने पर मजबूर कर दिया। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ द्वारा आयोजित गुरु वंदन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे विधायक पन्नालाल शाक्य ने सरकारी शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों की भूमिका पर बेबाक टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि सरकारी शिक्षक खुद अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेज रहे हैं, तो यह व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवालिया निशान है। उन्होंने मंच से कहा, हम खुद अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाते हैं और दूसरों के बच्चों को सरकारी स्कूलों में, ऐसे में हम उनके लिए क्या छोड़ रहे हैं? क्या हम उन्हें भी ढाई अक्षर प्रेम के नहीं सिखा सकते? विधायक ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, वे समाज की नींव गढ़ते हैं। यदि नींव ही कमजोर रख दी जाए तो आने वाली पीढ़ी की दिशा और दशा क्या होगी, यह सोचने की जरूरत है। कार्यक्रम के दौरान जहां रिटायर हुए शिक्षकों का सम्मान किया गया, वहीं नवपदस्थ शिक्षकों का स्वागत भी हुआ। लेकिन इस गरिमामयी माहौल में विधायक शाक्य का वक्तव्य केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने तथाकथित बुद्धिजीवियों पर भी निशाना साधा। हाल ही में हुए वकीलों के विरोध प्रदर्शन में कलेक्टर की पट्टी पहनाकर एक कुत्ते को ज्ञापन सौंपे जाने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने वकीलों का नाम लिए बिना कहा, जब बुद्धिजीवी स्वयं बन जाते हैं तो सारी मर्यादाएं तोड़ दी जाती हैं। इस पर विचार और आत्ममंथन की आवश्यकता है। विधायक ने कहा कि ज्ञान का कोई तराजू नहीं होता, जिसे मापा जा सके। यह समय के साथ दिखता है कि बच्चा कितना सीखा और किस दिशा में बढ़ा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहे, बल्कि बच्चों को जीवन के मूल्यों, संवेदना और देशभक्ति का भी पाठ पढ़ाया जाना चाहिए। आज जब हम टेक्नोलॉजी और वैश्विक मंच पर अपनी ताकत दिखा रहे हैं, तब यह तय क्यों नहीं हो पा रहा कि हम अपने ही बच्चों को सरकारी स्कूलों में क्यों नहीं पढ़ा सकते?

आईएमए की संगोष्ठी संपन्न, कार्डियक अरेस्ट पर हुई विस्तृत चर्चा

नवभारत न्यूज

गुना। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गुना के तत्वाधान में रविवार को शहर के एक निजी होटल में चिकित्सकों की एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. वी.पी. शर्मा ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. बी.एस. कुशवाहा उपस्थित रहे।

संगोष्ठी का शुभारंभ आईएमए अध्यक्ष डॉ. रामवीर सिंह द्वारा सभी अतिथियों के स्वागत एवं कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से आमंत्रित इंदौर के सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिरुद्ध व्यास (ज्यूपिटर हॉस्पिटल) ने अपने चिकित्सकीय अनुभव साझा किए। डॉ. व्यास पिछले 10 वर्षों से कार्डियक अर्हिथमिया के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं और उन्हें पेसमेकर, इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी और एबलेशन तकनीक में विशेष दक्षता प्राप्त है। अपने उद्बोधन में उन्होंने पेसमेकर के माध्यम से गंभीर हृदय रोगियों को मिलने वाले लाभ, आकस्मिक हृदयाघात की स्थिति में सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) की महत्ता और उसके चार आसान स्टेप्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. व्यास ने बताया कि किस प्रकार समय रहते उचित सीपीआर देने से अस्पताल से बाहर हुए कार्डियक अरेस्ट के मामलों में रोगी की जान बचाई जा सकती है। इसके साथ ही उन्होंने डिफिब्रिलेटर (इलेक्ट्रिक शॉक देने वाली मशीन) के प्रयोग और इसके महत्व पर भी प्रकाश डाला। संगोष्ठी के दौरान उन्होंने आयुर्वेदिक दवाओं के अनियंत्रित उपयोग, विशेषकर एकोनाइट जैसे तत्वों के कारण उत्पन्न होने वाले हृदय संबंधी दुष्प्रभावों पर भी कुछ केस स्टडीज़ के माध्यम से विचार साझा किए। कार्यक्रम में यह चिंतन भी किया गया कि किस प्रकार युवाओं में बढ़ते तनाव, अनुचित जीवनशैली और अनियमित आहार के कारण कम उम्र में हृदयाघात के मामले सामने आ रहे हैं। अंत में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जी.के. लाहोटी ने सभी चिकित्सकों से चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर अध्ययनशील रहते हुए आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों से अपडेट रहने का आग्रह किया। संगोष्ठी का सफल संचालन डॉ. एस.के. श्रीवास्तव ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन द्धरू सचिव डॉ. अभिलाष राजपूत द्वारा किया गया। कार्यक्रम में शहर के लगभग 71 प्रमुख चिकित्सकों ने सहभागिता की।

तीसरी बार जिला सचिव चुने गए मनोहर

गुना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का 12वा जिला सम्मेलन जिला मुख्यालय पर संपन्न हुआ। जिसमें वर्तमान सेक्रेटरी का. मनोहर मिरोठा तीसरी बार पार्टी के जिला सचिव चुने गए। वहीं सहायक सचिव का. जावेद खान और का. सुनील कुशवाह को चुना गया। जिला सम्मेलन की अध्यक्षता हाजी जहीरूद्दीन ने की। सागर से आए अजीत जैन ने जिला सम्मेलन की विधिवत शुरुआत की। इसके बाद मनोहर ने अपने पिछले कार्यकाल की रिपोर्ट पेश की। सम्मेलन में रिपोर्ट पर चर्चा और सुझावों के बाद सुनील कुशवाह और संजय निवरिया ने सचिव पद के नामों का प्रस्ताव रखा।

गायत्री शक्तिपीठ पर बाल संस्कार शाला का प्रशिक्षण सम्पन्न

गुना। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में रविवार को गायत्री शक्ति पीठ गुना परिसर में एक दिवसीय बाल संस्कार शाला प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गायत्री परिवार ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी पी.एस. चौहान, व्यवस्थापक ओ.पी. श्रीवास्तव, जिला समन्वयक सुरेन्द्र प्रजापति एवं युवा प्रकोष्ठ समन्वयक सुनील सेन द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्रशिक्षण सत्र में मुख्य प्रशिक्षिकाओं के रूप में भावना परासर, शशि मिश्रा, ममता कुशवाह एवं स्मिता शर्मा ने विभिन्न कालोनियों से आए गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण में बताया गया कि वर्तमान सामाजिक परिवेश में बच्चों को नैतिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जोडना अत्यंत आवश्यक है। यह कार्य बाल संस्कार शाला के माध्यम से प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। गायत्री परिवार द्वारा संचालित यह संस्कार शाला पूर्णत: नि:शुल्क होगी और सप्ताह में एक दिन, विशेष रूप से रविवार को आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि परम् पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य का मानना था कि जब तक हम बच्चों के भीतर अच्छे संस्कारों का सिंचन नहीं करेंगे, तब तक समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव नहीं हो सकेगा। इस उद्देश्य को लेकर ही बाल संस्कार शालाओं का संचालन किया जा रहा है। जिला समन्वयक सुरेन्द्र प्रजापति एवं युवा प्रकोष्ठ प्रमुख सुनील सेन ने जानकारी दी कि वर्तमान में जिले में 5 बाल संस्कार शालाएं और एक आदर्श ग्राम भुलाय में संचालित हैं। शांतिकुंज हरिद्वार में हुए एक संकल्प कार्यक्रम में युवा प्रकोष्ठ गुना ने सामूहिक रूप से यह लक्ष्य लिया है कि जिले में कम से कम 50 बाल संस्कार शालाएं शुरू की जाएं। इसी संकल्प को मूर्त रूप देने हेतु यह एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में महिला मंडल, ट्रस्ट के सदस्य, युवा प्रकोष्ठ और सक्रिय परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और प्रशिक्षण को सफल बनाया।

धूमधाम से मनाया गया तीज का पर्व

गुना। विहिप दुर्गा वाहिनी मातृशक्ति की बहनों ने मिलकर सावन माह के पावन पर्व तीज के उपलक्ष्य में हरियाली तीज महोत्सव जिला संयोजिका सपना शर्मा के निवास पर बहुत धूमधाम से मनाया मान्यता है। कि सावन माह में हरी चूड़ी पहनना और हरी हरि चूड़ी सौभाग्य सामग्री दान देने से अखंड सौभाग्य रहता है। यह हमारी प्राचीन परंपरा है। दुर्गा वाहिनी की समस्त महिलाओं ने सावन के गीतों पर नृत्य किया एवं झूला झूला इस शुभ अवसर पर सपना शर्मा ने सभी बहनों को को सोलह श्रृंगार की सभी सामग्री से उपहार में दी। कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वादिष्ट भोजन का का आनंद लिया।

सभी बहने उपस्थित रहे नीति भार्गव, नीरज अवस्थी, प्रीति, संध्या शर्मा, चंचल नामदेव, रानी जैन, राखी शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, श्वेता प्रीति खुशी आदि उपस्थित है।

कॉम्बिंग गश्त — विभिन्न वारंटों में वर्षों से फरार चल रहे कुल 131 वारंटी किये गिरफ्तार

एसपी के निर्देशन में पुलिस ने जिले में एक साथ की कॉम्बिंग गश्त

गुना। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के दिशा निर्देशन में गुना पुलिस द्वारा विभिन्न प्रकरणों में फरार आरोपियों, फरार वारंटियों, जिला बदर बदमाशों, इनामी आरोपियों आदि की धरपकड़ हेतु निरंतर कार्यवाहियां की जा रहीं हैं। इस हेतु जिले में समय-समय पर कॉम्बिंग गस्त कर अपराधियों को तलाशा जा रहा है। इसी दिशा में विभिन्न वारंटों में फरार वारंटियों, इनामी बदमाशों, विभिन्न अपराधों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी एवं जिलाबदर बदमाशों सहित गुंडा, हिस्ट्रीशीट बदमाशों की निगरानी हेतु गुना एसपीद्धश्र सोनी द्वारा 12-13 जुलाई 25 की मध्यरात्रि में जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में एक साथ कॉम्बिंग गस्त किये जाने के निर्देश दिये गये। निर्देशानुसार 12-13 जुलाई 25 की मध्यरात में पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में एक साथ व एक समय में कॉम्बिंग गस्त की गई। सभी गस्त टीमों को संबंधित थानों पर अनुविभागीय अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। तदोपरांत पुलिस टीमें अपने-अपने निर्धारित क्षेत्र में कॉम्बिंग गश्त के लिए रवाना हुईं।

गुना पुलिस की इस कॉम्बिंग गस्त के दौरान पुलिस टीमों द्वारा अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश, स्थाई, गिरफ्तारी वारंटियों, इनामी आरोपियों, जिला बदर बदमाशों आदि सहित विभिन्न लंबित अपराधों में फरार चल रहे आरोपियों की तलाश की गई। जिसमें पुलिस के हाथ कई सफलतायें लगीं हैं। इस दौरान विभिन्न वारंटों में लंबे समय से फरार चल रहे कुल 76 स्थाई एवं 55 गिरफ्तारी वारंटी पुलिस ने गिरफ्तार किए। जिनमें कैंट थाने में 7 स्थाई व 4 गिरफ्तारी, कोतवाली में 7 स्थाई व 5 गिरफ्तारी, बजरंगगढ़ थाने में 5 गिरफ्तारी, म्याना थाने में 4 स्थाई व 8 गिरफ्तारी, बमौरी थाने में 1 स्थाई व 5 गिरफ्तारी, फतेहगढ़ थाने में 2 स्थाई व 07 गिरफ्तारी, सिरसी थाने में 3 स्थाई, राघौगढ़ थाने में 9 स्थाई व 3 गिरफ्तारी, आरोन थाने में 4 स्थाई व 8 गिरफ्तारी, विजयपुर थाने में 2 स्थाई, धरनावदा थाने में 8 स्थाई व 04 गिरफ्तारी, चांचौड़ा थाने में 15 स्थाई, कुम्भराज थाने में 7 स्थाई व 2 गिरफ्तारी, मृगवास थाने में 2 स्थाई व 3 गिरफ्तारी, जामनेर थाने में 2 स्थाई तथा मधुसूदनगढ़ थाने में 3 स्थाई वारंटी व 1 गिरफ्तारी वारंटी पकड़े गये हैं। इस दौरान जिले भर के सभी थाना क्षेत्रों से जिला बदर बदमाश, हिस्ट्रीशीट व गुंडा बदमाश भी पुलिस द्वारा चैक किये गये। जिले में इस प्रकार की कार्यवाहियां आगे भी निरंतर जारी रखीं जाएगी और किसी भी प्रकार के अपराधों में संलिप्त आरोपियों पर सख्त से सख्त कार्यवाहियां की जावेगी।

कामधेनु योजना के तहत मिलेगा ऋण और अनुदान

गुना। मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा मुख्यमंत्री विकास योजना के अंतर्गत डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना का क्रियान्वयन शुरू किया गया है। इस योजना का उद्देश्य देश में बढ़ती दूध और दुग्ध उत्पादों की मांग को पूरा करना और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना है। उपसंचालक पशुपालन डॉ. एस.एस. राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना में 25 दुधारू पशुओं की एक इकाई स्थापित की जाएगी, जिसमें सभी गायें या सभी भैंसें एक ही प्रजाति की होंगी। एक हितग्राही अधिकतम 8 इकाइयों का लाभ ले सकता है। देशी गाय की नस्ल पालन के लिए 36 लाख और संकर गाय/भैंस पालन हेतु 42 लाख रुपए की परियोजना राशि निर्धारित की गई है।